Title : Regarding setting up of Veer Savarkar Memorial in France.

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): मैडम स्पीकर, मैं आपका आभारी हूं। आज एक महत्वपूर्ण दिवस है। इसी दिन 8 जुलाई, 1910 को स्वातंत्र्य वीर सावरकर जी ने ब्रिटनको से भारत लाते समय मार्सेलिस बन्दरगाह में नौका से छलांग लगाई थी। यह एक बहुत साहसपूर्ण, धैर्यपूर्ण छलांग थी और उसकी याद करने का आज दिन है। पूरा भारत आज इसको याद कर रहा है और संसद को भी इसे याद करना चाहिए। उनकी उस छलांग ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिलाई थी और आजादी की लड़ाई सारी दुनिया के सामने आई थी। वीर सावरकर जी ने उस समय की युवा पीढ़ी को प्रेरणा दी थी, क्रान्ति का मंत्र दिया था, जिसके कारण हजारों युवकों ने अपनी जान न्यौछावर की थी। उसके बाद उनको कालेपानी की, दो रिगरस इप्रिज़नमेंट की सजा हुई और अपने आपमें उनको यह सजा बहुत बड़ी थी। ब्रिटिश साम्राज्य ने उन पर आरोप लगाया था कि ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ उन्होंने जंग छेड़ी है, बगावत की है, युद्ध छेड़ा है। इस आरोप के कारण उनको सजा हुई और अंडमान में उनको रखा गया। यह जो घटना हुई, उस घटना का यह शताब्दी वर्ष शुरू हो रहा है।

इसलिए मेरी मांग है कि स्वातंत्र्य वीर सावरकर से सम्बन्धित जो सामाजिक संगठन हैं, उनके मानने वाले देश में सारे भारतीय हैं, उनके प्रयासों के कारण मार्सेलिस के मेयर ने उनका उचित स्मारक बनाने के लिए उस बन्दरगाह के नजदीक जगह देने के लिए मान्यता दी है। लेकिन दुर्भाग्य है कि हमारी केन्द्रीय सरकार और हमारे केन्द्र का पररराष्ट्र मंत्रालय उसको सम्मति नहीं दे रहा है। इतनी बड़ी आजादी की घटना के लिए वहां के मेयर सम्मति देते हैं, लेकिन हमारा पररराष्ट्र मंत्रालय उसको सम्मति नहीं देता है। मेरी मांग है कि इस साल यह स्मारक बनना चाहिए और सरकार को इसके बारे में मंजूरी देनी चाहिए।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर की याद आजादी की लड़ाई की याद है और इस महत्वपूर्ण वर्ष में यह साहसी, पराक्रमी कदम सावरकर जी ने उठाया था, इससे देश का भी सम्मान हुआ। जैसे विवेकानंद जी का स्मारक शिकागो में बनाया गया, उसी तरह से प्रयास करके यहां उनका स्मारक बनना चाहिए। आप सरकार को इस प्रकार का निर्देश दें, यह मेरी मांग है। ...(व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): सरकार की ओर से कोई जानकारी दे कि यह बात सही है क्या कि फ्रांस सरकार तो मार्सेलिस में स्मारक बनाने को तैयार है, लेकिन हमारी तरफ से आपत्ति हो रही है? दुनिया के किसी देश में ऐसा नहीं हो सकता। हमारे आपस में एक दूसरे से बहुत मतभेद हो सकते हैं, विचारधाराओं में भी मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि वीर सावरकर एक महान देशभक्त थे।[R2]

उन्होंने देश की आजादी के लिए बहुत बड़ा संघर्ष किया और उस समय जो अनेक महत्वपूर्ण घटनायें हुयीं, उनमें से यह घटना सारी दुनिया याद करती है। इसीलिए इस अवसर पर हम सरकार से जानना चाहेंगे, इस समय एस. एम. कृष्णा जी सदन में उपस्थित नहीं हैं, नहीं तो मैं उनसे ही पूछता, लेकिन अगर कोई और बता सके कि वस्तुस्थिति क्या है, सरकार का इस बारे में क्या रवैया है, तो यह अच्छा होगा। अगर आज नहीं बता सकते, तो कल या किसी और दिन बतायें, लेकिन सदन को जानकारी मिलनी चाहिए।

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): मैडम, मुझे इस बात की ...(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, let them assure the House...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Madam, the issue has been raised by the hon. Member in this House and it was supported by the hon. Leader of the Opposition. I am coming to the subject. The Government has taken note of it and we will respond to it whenever it is necessary...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : Not whenever it is necessary, they should respond to it...(*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY: During 'Zero Hour', the Government is not supposed to react. This is the set practice here...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : गवर्नमेंट की तरफ से रेस्पांस आ गया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक : संसद के सेंट्रल हाल में वीर सावरकर की तस्वीर लगी हुयी है। पूरे देश ने उनको सम्मान दिया है। उनके हाथों में बेड़ियां थी, जिन्हें तोड़कर ...(व्यवधान) वे पेरिस पहुंचे थे। ऐसी स्थिति में ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज :...(व्यवधान) अगर संसदीय कार्यमंत्री कहते हैं कि whenever necessary, तो यह उत्तर समाधानकारक नहीं है। हम

यह चाहते हैं कि वह उत्तर आज, कल या परसों दें, लेकिन यह तो बतायें कि जो बात नेता प्रतिपक्ष ने कही और फ्रांस के मेयर का वह पत्र हमारे पास है, जिसमें उन्होंने यह कहा है कि हम यह प्रतिमा-स्मारक लगाने को तैयार हैं और पोर्ट रोड के पास हम जगह दे रहे हैं। भारत सरकार के जवाब की उनको आवश्यकता है, तो संसदीय कार्य मंत्री इतना तो कह सकते हैं कि मैं विदेश मंत्री से बात करके कल जवाब दूंगा। Whenever necessary के क्या मायने हैं? एक दिन सत्र समाप्त हो जाएगा। At that time, will it be necessary? This is no answer. आप यह मत कहिए कि उत्तर आ गया। आप संतोषजनक उत्तर दीजिए, समाधानकारक उत्तर दीजिए। संसदीय कार्यमंत्री जी जवाब दीजिए। ...(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR : Madam, he should give a definite assurance. ...(व्यवधान) क्या सावरकर जी का नाम लेने में शर्म आती है? ...(व्यवधान) We want a specific answer from Shri Narayanasamy.

श्री हरिन पाठक : सावरकर जी का नाम लेने से क्या आपको शर्म आती है? ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आज उनका शताब्दी वर्ष शुरू हो रहा है। इस वर्ष में उनका स्मारक बनना बहुत प्रांसगिक होगा। आज उस घटना को 99 साल पूरे हुए हैं। जो इतना साहसिक कार्य था, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हुयी थी, फ्रांस के शासक को इस्तीफा देना पड़ा था, ब्रिटेन ने सारी मर्यादाओं को भुलाकर उनको अपराधी के रूप में लिया था। इतनी बड़ी घटना हुयी थी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह स्वर्णिम दिन था। आज उसका शताब्दी वर्ष शुरू हो रहा है। इसलिए इस वर्ष में वह स्मारक बनना सबसे ज्यादा प्रासंगिक होगा। मंत्री महोदय, कम से यह तो कहिए कि आप सदन को आश्वस्त करेंगे। ...(व्यवधान)[p3]

श्री हरिन पाठक : आप सरकार की मंशा स्पष्ट करें। ...(व्यवधान) आपको मना करना है और हिम्मत है तो मना करें। ...(व्यवधान) देश जानना चाहता है कि देशभक्ति किसे कहते हैं। ...(व्यवधान) आप मना करें कि हमें नहीं करना है।...(व्यवधान) आप इसका कोई जवाब तो दीजिए।...(व्यवधान) देश जानना चाहता हूं कि इतने बड़े राष्ट्र भक्त के बारे में सरकार का क्या रवैया है?..(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): I can say this much that since the issue has been raised by the Leader of the Opposition and the hon. Members, I will convey the feelings of the hon. Members to the Minister concerned...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The hon. Minister has already responded.

श्री अनंत कुमार : आप कब तक कह सकते हैं, इतना बता दीजिए। ...(व्यवधान)